(ख) क्या गत दो वर्षों में ऐसे कुछ अवसर आये हैं जब कि मुद्रणालयों में हिन्दी की छपाई का काम इस आधार पर लौटा दिया गया था कि वे उसे करने में असमर्थ हैं ; और

(ग) हिन्दी के बढ़ते हुए काम को पूरा कर सकने के लिए रेलवे मुद्रणालयों की क्षमता में वृद्धि करने के लिए क्या कार्यवाही की गई है ?

रेलवे मंत्रालय में राज्य-मंत्री (डा० राम सुभग सिंह) : (क) से (ग) अपेक्षित सूचना तत्काल उपलब्ध नहीं है । सूचना रेल प्रशासनों से मंगायी जा रही है और मिलने के बाद शीघ्र प्रस्तुत कर दी जायेगी ।

Muir Mills Ltd., Kanpur

*911. **Shri S. M. Banerjee:** Will the Minister of **Commerce** be pleased to refer to the reply given to Starred Question No. 216 on the 25th February, 1966 and state:

(a) whether it is a fact that the Muir Mills Ltd., Kanpur has not started functioning;

(b) if so, whether this is due to the fact that the financial assistance promised by the Centre has not been given so far; and

(c) if so, the steps proposed to be taken in this regard?

The Deputy Minister in the Ministry of Commerce (Shri Shafi Qureshi): (a) Yes, Sir.

(b) and (c). It has been agreed that the Central and State Governments should stand guarantee to the State Bank of India for the advance of the necessary loan to the mills. A part of the loan has already been advanced to the mills and steps are under way to make the balance available within the next few days.

Revision of Lists of S.C. and S.T.

*912. **Shri D. C. Sharma:** Will the Minister of **Social Welfare** be pleased to state:

(a) whether any decision has been taken for revising the lists of Scheduled Castes and Scheduled Tribes on the recommendations of the Advisory Committee; and

(b) if so, the nature thereof?

The Deputy Minister in the Department of Social Welfare (Shrimati Chandrasekhar): (a) and (b). The whole question is still under consideration.

बोकारो इस्पात कारखाना

*913. **श्री डा० ना० तिवारी :**
श्री यशपाल सिंह :

क्या लोहा और इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या बोकारो इस्पात कारखाने के लिए अपेक्षित इस्पात के बारे में कोई अनुमानित ब्यौरा तैयार किया गया है ;

(ख) क्या इस बात का भी पता लगा लिया गया है कि इसके लिये देश में उपलब्ध स्रोतों से कितना सामान मिल जायेगा और कितना सामान बाहर से मंगाना पड़ेगा ; और

(ग) रूस से अब तक प्राप्त पुर्जों तथा उपकरणों की संख्या कितनी है ?

लोहा और इस्पात मंत्री (श्री त्रि० ना० सिंह) : (क) जी, हां ।

(ख) 85 प्रतिशत के लगभग इस्पात के ढांचे, 60 प्रतिशत के लगभग संयंत्र और उपकरण और 93 प्रतिशत के लगभग उष्मसह देश में उपलब्ध स्रोतों से प्राप्त किये जायेंगे और बाकी सामान रूस से मंगाया जाएगा ।

(ग) अभी तक कोई उपकरण और सामान रूस से प्राप्त नहीं हुआ है क्योंकि